राज्यपाल ने किया 100 वें राष्ट्रीय वैज्ञानिक बकरी पालन प्रशिक्षण एवं बकरी मेला का उद्घाटन।

दिनांक 29 मई 2023 को केंद्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र पाह में आयोजित 100वें राष्ट्रीय वैज्ञानिक बकरी पालन एवं बकरी मेला कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी पहुंची। जहां उनके द्वारा पीता काटकर राष्ट्रीय मेले का शुभारंभ किया। बकरी पालन को लेकर आयोजित पशु एवं तकनीकि प्रदर्शनी में राज्यपाल ने विभिन्न नस्लों की बकरी और उनके उत्पादों का अवलोकन किया। इस मेले में देश के कोने कोने से सैकड़ों की संख्या में किसान पहुंचे जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों की आय दोगुनी करने से लेकर उन्हें बकरी पालन को बढ़ावा देने के गुर बताए। अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि बकरी किसानों के लिये बहुत उपयोगी है।बकरी पालन करके किसान अपनी आय को बढा सकता है। आज बकरी के उत्पादों का एक विस्तृत बाजार है। आज के दौर में बकरी पालन आमदनी का बहुत बड़ा जरिया है क्यों ट्रेनिंग लेकर अपने अपने यहां रहे है वहीं उन्होंने कहा की जिसतरह से सरकार टीवी जैसे घातक बीमारी को जड़ से खत्म है वहीं बकरी का दूध टीवी के होता क्योंकि तीन महीने अगर कोई आपके परिवार में टीवीका मरीज है तो उसे बकरी का दूध पिलाने से ये दूध इतना की यहां से दूर दूर तक के लोग करने का पुरजोर प्रयास कर रही ताकतवर होता है की टीवी को दूध का पनीर अधिक पसंद सभी वैज्ञानिक भी मौजूद रहे। समाप्त करने का काम करेगा बकरी पालन को रोजगार का मरीज के लिए बड़ा लाभकारी वहीं बकरी के दूध का पनीर किसान भाई यहां से ट्रेनिंग ले लेकर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के हमारे यहां जैसे गाय भैंस के साधन बना कर अच्छी पैदा करसकते है, कि बकरी पालन का सही तरीका क्या है जबकि हमारे घरों में जो बच्चा पैदा होता है उसमें जन्म से अनेकों बीमारी साथ आती है लेकिन जब मां अपने बच्चे को दूध पिलाती है तो उसे बीमारियों से लड़ने ताकत मिलती है और बच्चा सही रहता है जबकि आपने देखा होगा की गाय

बकरी का दूध जन्म लेने के साथ ही तुरंत खड़ा होकर दूध पीने लगता है। क्यों की उसकी ताकत जो मां के दूध की अधिक होती है। इसी के साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने किसानों से ये भी अपील कि वे तीन साल से छह साल तक के बच्चो को अपने पड़ोस की आंगनवाड़ी केंद्र में पढ़ने के लिए जरूर भेजे क्योंकि वहां पर मिलने वाला पौष्टिक आहार बच्चो को स्वस्थ बनाता है। उन्होंने अनूसूचित जाति की बकरी पालक महिलाओं को बकरी पालन उपयोगी सामग्री वितरित की।

इस मौके पर जिलाधिकारी पुलकित खरे एसएसपी शैलेश पांडे संस्थान के निदेशक मनीष चेटली,डा बी एन त्रिपाठी, उप महा निदेशक (पशु विज्ञान) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, कुलपति महोदय डा ए.के.श्रीवास्तव जी विध्यालय (DUVASU) एवं संस्थान के सभी वैज्ञानिक व कर्मचारी आदि मौजूद रहे । महामहिम के आगमन को लेकर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस फोर्स तैनात किया था।